



Sitanshu



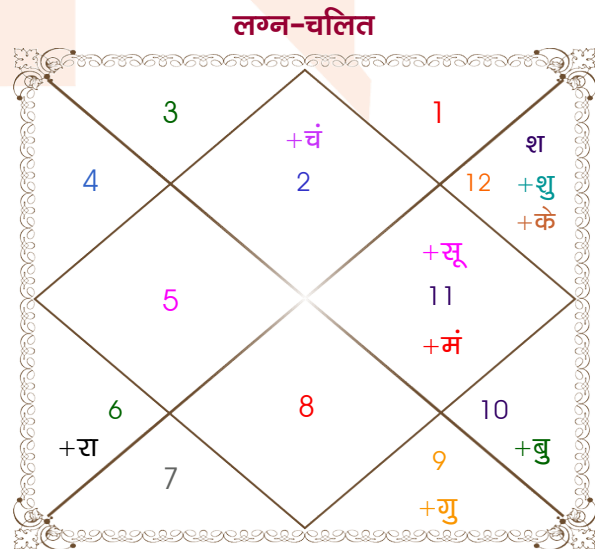
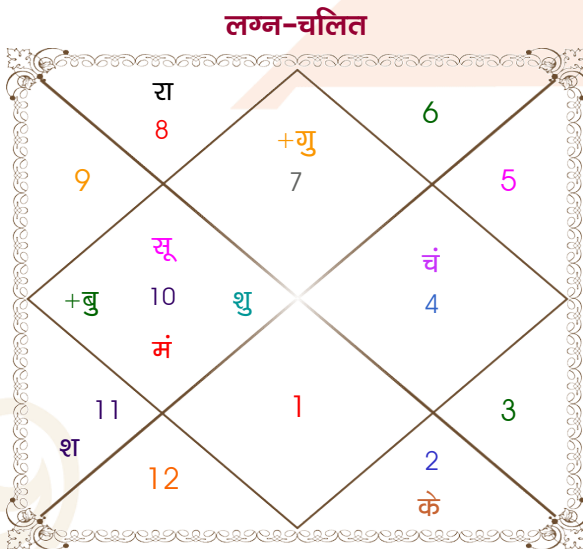
Astha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120272402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 26/01/1994 : _____ जन्म तिथि _____ 27/02/1996
 बुधवार : _____ दिन _____ मंगलवार
 घंटे 23:30:00 : _____ जन्म समय _____ 11:05:00 घंटे
 घटी 42:16:18 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 12:04:09 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Patna : _____ स्थान _____ Raipur
 25:37:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 21:16:00 उत्तर
 85:12:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 81:42:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:10:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:03:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:35:28 : _____ सूर्योदय _____ 06:26:18
 17:28:09 : _____ सूर्यास्त _____ 18:06:07
 23:46:44 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:19

विंशोत्तरी गुरु 1वर्ष 1मा 6दि बुध		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 6वर्ष 1मा 16दि गुरु	
05/03/2014		04:00:47	तुला	लग्न	वृष	08:29:42	14/04/2020	
05/03/2031		12:46:59	मक	सूर्य	कुंभ	14:06:27	14/04/2036	
		02:24:56	कर्क	चंद्र	वृष	24:59:29		
		05:07:02	मक	मंगल	कुंभ	15:28:21		
बुध	31/07/2016	27:39:10	मक	बुध	मक	22:00:53	गुरु	02/06/2022
केतु	28/07/2017	19:14:35	तुला	गुरु	धनु	17:27:59	शनि	14/12/2024
शुक्र	28/05/2020	15:05:52	मक	शुक्र	मीन	27:19:17	बुध	22/03/2027
सूर्य	04/04/2021	05:57:45	कुंभ	शनि	मीन	01:15:49	केतु	26/02/2028
चन्द्र	03/09/2022	07:04:37	वृश्चि व	राहु व	कन्या	24:10:41	शुक्र	27/10/2030
मंगल	31/08/2023	07:04:37	वृष व	केतु व	मीन	24:10:41	सूर्य	15/08/2031
राहु	20/03/2026	29:19:07	धनु	हर्ष	मक	08:47:45	चन्द्र	14/12/2032
गुरु	25/06/2028	27:39:07	धनु	नेप	मक	02:56:04	मंगल	20/11/2033
शनि	05/03/2031	03:57:39	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:17:36	राहु	14/04/2036



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Sitanshu का वर्ग मेष है तथा Astha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sitanshu और Astha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sitanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sitanshu कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Astha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Astha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sitanshu तथा Astha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



Mahamaya Jyotish Karyalaya

Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com